Seat No. : _____

MA-09

Hindi Paper-II

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : 3 Hours] **[Total Marks: 100**

१. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **३०**

(अ) पग बाँध घूघरयाँ णाच्याँरी ।।
लोग कह्याँ मीराँ बाबरी, सासु कह्याँ कुलनासाँ री ।
विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पावाँ मीराँ हाँसाँ री ।
तण मण वारयाँ हरि चरिणामाँ अमरित प्यासाँ री ।
मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, थारो सरणाँ आस्याँ री ।।

अथवा

रामदूत मैं मातु जानकी । सत्य सपथ करूनानिधान की ।।
येह मुद्रिका मातु मैं आनी । दीन्हि राम तुम्ह कहँ सहिदानी ।।

(ब) लरिकाई को प्रेम, कहौ अलि कैसे करिकै छूटत ?
कहा कहौं ब्रजनाथ-चरित अब अंतरगति यों लूटत ।।
चंचल चाल मनोहर चितवनि, वह मुसुकानि मंद धुनि भावत ।
नटवर भेस नंदनंदन को वह विनोद गृह वन तें आवत ।।
चरन कमल की सपथ करति हौं यह संदेस मोहि विष सम लागत ।।

अथवा

नव रतिपति नव परिमल नव मलयानिल धार ।
नवि नागर नव नागर विलसए पुन कले सवे सवे पार ।।

(क) दुलहनिं गावहु मंगलचार ।
हम घरि आये हो राजा राम भरतार ।।
तन रत करि मैं मन रत करिहुँ पंचतत बराती ।
रामदेव मोरै पाँहुनैं आये, मैं जोवन मदमाती ।।

अथवा

सहजै ओढ़ें पीतु पटु, स्याम सलोने गात ।
मनौ नीलमनि सैल पर, आतप परयौ प्रभात ।।
अधर धरत हरि कैं परत, ओंठ डीठि पट जोति ।
हरित बाँस की बाँसुरी, इन्द्रधनुष रंग होति ।।

२. भ्रमरगीत-काव्य-परम्परा का परिचय देते हुए उसमें सूर के भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित कीजिए । **१५**

अथवा

" कबीर की धर्म सम्बन्धी आलोचना का आधार साम्य भावना और लक्ष्य ईश्वर प्रेम के द्वारा मानव-प्रेम का विकास था ।" – इस कथन के आधार पर कबीर की धार्मिक एवं सामाजिक आलोचना स्पष्ट कीजिए ।

३. मीराँबाई की भक्ति-भावना की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । **१५**

अथवा

" बिहारी ने गागर में सागर भरा है " – इस कथन के आधार पर बिहारी के दोहों का मूल्यांकन कीजिए ।

४. संक्षेप में लिखिए : **२०**

(अ) " सुन्दरकाण्ड " में हनुमान का चरित्र ।

अथवा

तुलसी की भाषा ।

(ब) विद्यापति के कृष्ण ।

अथवा

विद्यापति की पदावली में शृंगार-वर्णन ।

(क) बिहारी की बहुज्ञता ।

अथवा

सूर की गोपियाँ ।

(ड) विद्यापति-पदावली में गीतात्मकता ।

अथवा

" सुन्दरकाण्ड " का काव्य-सौन्दर्य ।

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : **१०**

(अ) (१) श्रीकृष्ण ऊधो को संदेश देने के लिए कहाँ भेजते हैं ?

(२) " मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई " – यह पंक्ति किस कृति से ली गई है ?

(३) मीराँबाई किसकी मूर्ति को देखकर आकृष्ट हो गई थी ?

(४) सुनहु पवन सुत रहनि हमारी । इमि दसननि यह जीभ बिचारी ।। – यह किसका कथन है ?

(५) भ्रमरगीत सार की रचना किस भाषा में हुई है ?

(६) " सुन्दकाण्ड " में प्रयुक्त प्रमुख छंद का नाम लिखिए ।

(७) कीर्तिसिंह की कीर्ति को अमर करने के लिए विद्यापति ने कौन सी रचना की ?

(८) अभिनव जयदेव के नाम से कौन सा कवि जाना जाता है ?

(९) बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ?

(१०) कबीर का पालन-पोषण किसने किया था ?

(ब) कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **१०**

(१) अष्ट छाप का जहाज _____ को कहा जाता है ।
(नंददास, सूरदास, परमानन्ददास)

(२) रीतिकाल का प्रतिनिधि कवि _____को माना जाता है ।
(केशव, बिहारी, घनानंद)

(३) कबीर _____ के शिष्य थे ।
(वल्लभाचार्य, रामानन्द, शेख तकी)

(४) मीराँबाई _____ की इकलौती संतान थी ।
(मानसिंह, कर्णसिंह, रत्नसिंह)

(५) मीराँबाई वृंदावन में _____ से मिलीं ।
(रूपगोस्वामी, जीवगोस्वामी, राधास्वामी)

(६) बिहारी के पिता का नाम _____ था ।
(देवराय, केशवराय, कृष्णराय)

(७) सुन्दरकाण्ड रामचरितमानस का _____ काण्ड है ।
(चौथा, पाँचवा, छठवाँ)

(८) सुन्दकाण्ड की भाषा _____ है ।
(अवधी, भोजपुरी, ब्रज)

(९) ' भ्रमरगीत सार ' की कथा का मूल आधार _____ ग्रंथ है ।
(विष्णुपुराण, भागवतपुराण, शिवपुराण)

(१०) विद्यापति _____ कवि हैं ।
(भक्त, नीतिपरक, श्रृंगारी)